# अमृतसर-ननकाना साहिब बस सेवा शुभारंभ के अवसर पर प्रधानमंत्री का भाषण

**24 मार्च, 2006**
**अमृतसर**

मुझे अमृतसर और ननकाना साहिब के बीच नियमित बस सेवा का शुभारंभ करने के इस महत्वपूर्ण अवसर पर अमृतसर आने पर अत्यधिक खुशी हो रही है। यह पंजाब के लिए निश्चय ही एक यादगार दिन है। यह पंजाब और अन्य जगहों के सिख समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। यह पंथ के लिए ऐतिहासिक दिन है। कई दृष्टियों से, यह भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।

1947 में देश की आजादी के दिन से हर सुबह हर श्रद्धालु सिख यह प्रार्थना करता है कि हमें पाकिस्तान में छूट गए गुरुद्वारों में निर्बाध आने-जाने का अवसर मिले। और सभी गुरुद्वारों में ननकाना साहिब सबसे ज्यादा पवित्र और सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। हमारी सरकार ने इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास किये हैं और अमृतसर और ननकाना साहिब के बीच यह बस सेवा इसी का परिणाम है।

प्रत्येक सिख के लिए यह एक भावुकतापूर्ण दिन है। और मेरे लिए भी। 1947 के बंटवारे और पाकिस्तान से भारत की मेरी यात्रा की यादें आज मेरे दिमाग में ताजा हो रही हैं। सिख पंथ के दो पवित्रतम स्थानों को जोड़ने वाली इस बस सेवा का शुभारंभ करते हुए मेरा सीना गर्व से फूल उठा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं पाकिस्तान के लोगों और राष्ट्रपति परवेज़ मुशर्रफ को बधाई देता हूं।

आगे आने वाले महीनों और वर्षों में हमें दोनों देशों के बीच ऐसे और अधिक संपर्कों की जरूरत है। इसके लिए भारत और पाकिस्तान के बीच हमें दोस्ताना संबंधों की जरूरत है। मुझे विश्वास है कि इस बस सेवा से दोनों देशों के बीच रिश्तों के सुधार में एक और नया अध्याय खुला है। पिछले साल जब राष्ट्रपति श्री मुशर्रफ नई दिल्ली में आए थे, मैंने कहा था कि 'शांति के रास्ते पर कदम-दर-कदम बढ़ना चाहिए, लेकिन यात्रा तय जरूर की जानी चाहिए।' जैसी कि पुरानी कहावत है, रास्ता चलने से बनता है।

मुझे इस बात की खुशी है कि कई बाधाओं के बावजूद हम आगे बढ़ रहे हैं और रास्ता बना रहे हैं, कदम दर कदम। श्रीनगर से मुजफ्फ़राबाद बस सेवा एक कदम था। मुनाबाओ से खोखरापार रेल संपर्क दूसरा कदम था। इन कदमों से व्यापार बढ़ा और यात्रा आसान हुई है। हालांकि यह कदम छोटे हैं लेकिन आगे बढ़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आज, हमने और एक कदम उठाया है, एक ऐतिहासिक कदम। अमृतसर से ननकाना साहिब के लिए इस बस सेवा ने सीमा के दोनों तरफ के लोगों के बीच एक भावुकतापूर्ण रिश्ते को फिर से जिंदा किया है।

मैंने बार-बार राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ से और पाकिस्तान के लोगों से कहा है कि हम इस क्षेत्र में शांति और विकास के लिए ईमानदारी से वचनबद्ध हैं। हमारी सरकार जम्मू-कश्मीर सहित पाकिस्तान के साथ सभी बकाये मुद्दों को हल करने के लिए कटिबद्ध है। इसके लिए, मैं और जनरल मुर्शरफ इस बात पर सहमत थे कि आतंकवाद पर मजबूती से नियंत्रण रखना अत्यंत जरूरी है। दोनों देश धीरे-धीरे यह महसूस करने लगे हैं कि आतंकवाद सभ्य समाज का दुश्मन है। जनरल मुशर्रफ ने आतंकवाद समाप्त करने के लिए साहसिक कदम उठाए हैं और इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं। लेकिन भारत और पाकिस्तान दोंनों के हित में इस बारे में बहुत कुछ किया जाना जरूरी है।

जैसा कि मैं मानता हूं, भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध सामान्य होने से तेजी से आर्थिक विकास के और रोजगार के कई नए अवसर पैदा होंगे। दोनों देशों के बीच आज जो व्यापार हो रहा है उससे कही बहुत ज्यादा व्यापार की संभावनाएं मौजूद हैं। ऐसी कई चीजें हैं, जिन्हें दोनों पंजाब एक दूसरे के विकास संबंधी अनुभवों से सीख सकते हैं। हमें सभ्य समाज के संभ्रांत नागरिकों, शिक्षाविदों, कारोबारियों, कलाकारों और इन सबसे अधिक आम लोगों के बीच परस्पर संपर्क को बढ़ावा देना चाहिए। ऐसे संपर्कों के जरिए हम दोनों देशों के साझे सहयोगी भविष्य का सपना तलाश सकते हैं-एक ऐसा भविष्य जहां शांति हो, जहां दोस्ताना संबंध हों, जहां हमारे नागरिक एक-दूसरे के देश की खुशहाली पर खुश होते हों।'

मै जानता हूं कि जनरल मुशर्रफ ने कई बार कहा है कि दोनों देशों के बीच रिश्तों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया तब तक आगे नहीं बढ़ सकती, जब तक जम्मू कश्मीर के मुद्दे से, जिसे वह मुख्य मुद्दा मानते हैं, से न निपटा जाए। मेरी राय में रिश्तों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया को जम्मू कश्मीर के हल से जोड़ना गलत होगा। लेकिन हम जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर चर्चा से या इस मसले के समाधान के लिए एक संभव, व्यवहारिक हल तलाशने से पीछे नहीं हटेंगे।

व्यवहारिक हल ढूंढने की कठिनाइयों को देखते हुए हमें कदम-दर-कदम आगे बढ़ना होगा। मेरा सुझाव है कि दोनों पक्षों को अपने-अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में बेहतर प्रशासन स्थापित करने के लिए लोगों के साथ संवाद कायम करना चाहिए ताकि सीमा के दोनों तरफ रह रहे लोगों को गरिमा और आत्मसमान की जिंदगी बसर करने के  बेहतर अवसर मिलें।

मैंने कई बार कहा है कि सीमाएं दुबारा नहीं तय की सकतीं, लेकिन हम इन सीमाओं को अप्रसांगिक बनाने की दिशा में कार्य कर सकते है- इन सीमाओं को केवल नक्शों पर खींची जाने वाली रेखाएं बना सकते हैं। नियंत्रण रेखा के दोनों ओर रहने वाले लोग एक-दूसरे के साथ कारोबार करने के लिए और आने-जाने के लिए स्वतंत्र होने चाहिए। मैंने ऐसी परिस्थिति की भी कल्पना की है जहां जम्मू कश्मीर के दोनों हिस्से भारत और पाकिस्तान की सरकारों के सक्रिय प्रोत्साहन से सहयोगी, परामर्शदायक व्यवस्था कायम कर सकते हैं ताकि इस क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास की समस्याओं को हल करने में आपसी सहयोग के अधिक से अधिक लाभ मिल सकें।'

'हमें जो रास्ता दिखाई देता है, वह यह है कि हमारे लोगों की नियति परस्पर जुड़ी हुई है। इसलिए हमारे दोनों देशों को प्रभावी सहयोगी कार्यनीतियां बनानी चाहिए ताकि इस साझे

सपने को एक ठोस रूप और अर्थ दिया जा सके। भारत का दिल से यह मानना है कि एक मजबूत, स्थिर, समृद्ध और शांतिपूर्ण पाकिस्तान भारत तथा संपूर्ण दक्षिण एशिया के हित में है। हम पाकिस्तान की समृद्धि, एकता, विकास और खुशहाली के लिए पूरी तरह कटिबद्ध हैं।' हम अच्छे पड़ोसियों जैसे संबंध चाहते हैं, हम चाहते हैं कि दक्षिण एशिया के सभी लोग गरिमा और आत्मसमान के साथ जिंदगी बसर करें। जब हमारे पड़ोसी देशों में शांति होगी, तो हमारे देश में भी शांति होगी।

हमें आगे बढ़ना है। हम आगे बढ़ना चाहते हैं। हमें बहुत कुछ करने की जरूरत है ताकि ऐसा माहौल बने, जिसमें हम आगे बढ़ सके। हमारे लिए यह मुमकिन है कि हम सियाचिन, सर क्रीक, बगलिहार जैसे मुद्दों पर सार्थक समझौता कर सके। मुझें विश्वास है कि हम आगे बढ़ सकते हैं, बशर्तें कि सभी संबद्ध पक्ष जमीनी वास्तविकताओं को स्वीकार करने के लिए तैयार हों, यदि सभी संबद्ध पक्ष इतिहास और हमारी नियति को दूरंदेशी के साथ देखें। अब वक्त आ गया है कि हम अपनी पुरानी दुश्मनी और गलतफहमी को भुला दें और वह सोचें, जो पहले कभी सोचा नहीं है, यानी गरीबी, अज्ञानता तथा बीमारी से छुटकारा पाने के अपने उन साझे लक्ष्यों के बारे में सोचें, जिनसे हमारे लाखों नागरिक अभी भी प्रभावित हैं। भारत और पाकिस्तान को आर्थिक सहयोग के नए अवसर बनाने के लिए मिलकर काम करना होगा, सिर्फ दक्षिण एशिया के साथ ही नहीं, बल्कि पश्चिम एशिया और मध्य एशिया के साथ भी। लाहौर और अमृतसर जैसे शहर फिर से सक्रिय अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक केन्द्र बनने चाहिए, जो इस पूरे क्षेत्र की जरूरतों को पूरा कर सकें।

एक-दूसरे को प्रतिदंद्वी समझने की बजाय हममें साहस होना चाहिए कि हम भारत और पाकिस्तान के सभी लोगों को बेहतर भविष्य के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक दूसरे को सहायक के रूप में देखें। मेरा एक सपना है कि शांति प्रक्रिया अंततः दोनों देशों के बीच शांति, सुरक्षा और मैत्री की संधि में परिणत हो। जिससे अपने साझे लक्ष्य की प्राप्ति के हमारे प्रयासों को सही अर्थ और ठोस आधार मिले। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं पाकिस्तान के लोगों को यह पेशकश करता हूं। मुझे यकीन है कि पाकिस्तान के नेता भी ऐसा ही करेंगे।

आज पंजाब के लिए उम्मीदों से भरा दिन है। पंजाब ने कई वर्षों तक बहुत कष्ट और तकलीफें सही हैं। पंजाब ने कई वर्षों तक हिंसा और नुकसान को झेला। लेकिन हमारा अतीत पीछे रह गया है। पंजाब की यह सुनहरी धरती एक बार फिर फल-फूल रही है और खुशियों से भर गई है। दिल्ली में हमारी केन्द्र सरकार और पंजाब सरकार राज्य के विकास के लिए मिलकर अथक प्रयास करते रहे हैं।

मुझे यह बताते हुए खुशी है कि मेरी पिछली पंजाब यात्रा के बाद हाल ही में केन्द्र सरकार ने अमृतसर की शानो-शौकत को बहाल करने के लिए कई कदम उठाए हैं। श्री हरमिन्दर साहिब के चारों ओर गलियारा परियोजना को पूरा करने के लिए हमने 72 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। हमने गुरुनानक देव विश्वविद्यालय में श्री गुरुग्रंथ साहिब का एक शोध केन्द्र स्थापित किया है। आनंदपुर साहिब में खालसा विरासत परियोजना को पूरा करने के लिए हमने 48 करोड़ रुपये आबंटित किये हैं। मुझे विश्वास है कि इसका पहला चरण अगले महीने शुरू हो जाएगा।

मुझे यह घोषणा करते हुए प्रशंसा हो रही है कि हम अमृतसर के विकास के लिए और कदम उठा रहे हैं। यह पवित्र शहर है। यह ऐतिहासिक नगर है। जिसका महान अतीत है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय नगर है जिसके लोग दुनिया के हर कोने में रहते हैं। अमृतसर और लुधियाना दोंनों ही शहर नए जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन के अंतर्गत आते हैं। इस मिशन के जरिए हम अमृतसर में लगभ 240 करोड़ रूपये की लागत वाली श्री गुरू रामदास शहरी विकास परियोजना के लिए और 210 करोड़ रूपये की लागत वाली सड़क परियोजना के लिए धनराशि दे सकते हैं। राज्य सरकार को इन परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। अमृतसर-बाघा मार्ग को चौड़ा किया जाएगा और इसे प्रथम श्रेणी का आधुनिक मार्ग बनाया जाएगा ताकि यह रास्ता व्यापार, यात्रा और पर्यटन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग बन सके। अटारी रेलवे स्टेशन देश का एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय रेलवे स्टेशन है और इस स्टेशन पर सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए हम कदम उठा रहे हैं। मुझे इस बात की भी खुशी है कि राज्य सरकार ने अमृतसर को विशेष आर्थिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने का फैसला किया है। यह शहर और आसपास का क्षेत्र भूतकाल में बहुत बड़ा औद्योगिक क्षेत्र रहा है। हमें इसे फिर से वैसा ही बनाना है और विशेष आर्थिक क्षेत्र इस दिशा में पहला कदम है।

मैं उन समस्याओं के बारे में भी चिंतित हूं, जो गोइंदवाल औद्योगिक परिसर में शुरू किए गए उद्योगों को झेलने पड़ रहे हैं। मुझे विश्वास है कि पंजाब सरकार उन सभी मुद्दों पर गौर करेगी और इसके पुनर्स्थापना के लिए कोई पैकेज योजना तैयार करेगी। मैंने इस संबंध में भारत सरकार के तरफ से सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन देता हूं।

मुझे यह घोषणा करते हुए भी गर्व महसूस हो रह है कि हमने ऐतिहासिक गोबिंदगढ़ किला पंजाब सरकार को सौपने का फैसला किया है। पंजाबियों के मन में इस ऐतिहासिक किले के प्रति लगाव है और अब यह किला एक बार फिर उनका हो गया है।

पंजाब के विकास के लिए हमारी सरकार ने कई कदम उठाए हैं। केन्द्रीय बजट में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के लिए हमने 100 करोड़ रूपये की राशि रखी है। पंजाब में दूसरी हरित क्रांति लाने के लिए इस विश्वविद्यालय को इस राशि का अवश्य उपयोग करना चाहिए। इस सुंदर राज्य के परिश्रमी किसान देश के लिए भोजन जुटाते हैं और जहां तक खाद्यान्न की बात है, पंजाब के कारण हम सुरक्षित हैं। पंजाब के किसानों ने पहली हरित क्रांति की थी। अब हमें और आगे बढ़ना है और कृषि को और ऊंचाई पर ले जाना है। जब भी मैं देश के अन्य भागों में जाता हूं, मैं देखता हूं कि महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु बागवानी से जुड़ी व्यापारिक फसलें बढ़ चढ़कर उगा रहे हैं। यदि पंजाब के किसानों को देश के अन्य भागों से आगे रहना है, तो वे भी ऐसा कर सकते हैं। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हम राज्य सरकार के साथ सहयोग करेंगे और बिक्री, भंडारण तथा पारवहन जैसी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं स्थापित करेंगे। पश्चिमी और पूर्वी बंदरगाहों को जोड़ने वाले तेज रफ्तार वाले रेलमार्ग को पंजाब तक बढ़ाया गया है ताकि सामान की आवाजाही आसानी से हो सके। हम लुधियाना के पास पंजाब में दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। और मुझे उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में यह मूर्त रूप ले लेगा।

पंजाब में औद्योगिक विकास का शानदार इतिहास रहा है। हर शहर और कस्बा खास किस्म के औद्योगिक उत्पादनों, जैसे बाइसाइकिल, हौजरी, मशीनी औजार, खेल के सामान आदि के लिए मशहूर रहा है। लेकिन पिछले दो दशकों में पंजाब कई क्षेत्रों में आगे रहने से पिछड़ गया है। हमें राज्य में औद्योगिकीकरण की नई लहर चलानी है। हमें बड़े-बड़े उद्योग लगाने की आवश्यकता है, जिससे सहायक उत्पादनों की मांग बढ़ेगी। हमें छोटे उद्योगों के लिए नई तकनीकी जानकारी देनी होगी और उनके उत्पादनों की बिक्री में सहायता करनी होगी। हमें कुशल तकनीकी लोगों का एक ऐसा समूह तैयार करना है, जो इस विकास को आगे बढ़ा सके। इसके लिए हमें बेहतर सड़कों, परिवहन सुविधाओं और बिजली आपूर्ति की आवश्यकता है।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। हमने पंजाब को छत्तीसगढ़ में बनने वाले सुपर थर्मल पावर स्टेशन से 1500 मेगावाट बिजली और देश के अन्य बिजली घरों से 1200 मेगावाट बिजली आबंटित की है। अमृतसर में 150 करोड़ रुपये की लागत से एक नया बड़ा सबस्टेशन बनने से अमृतसर और उसके आसपास के क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की स्थिति में बहुत सुधार हो जाएगा। पंजाब में हम एक भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान भी स्थापित कर रहे हैं। मैंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को कुछ मार्गों को चौड़ा करके जल्द से जल्द चार लेन का मार्ग बनाने के लिए निर्देश दिए हैं। यह मार्ग हैं -

- अमृतसर-जालंधर मार्ग
- अमृतसर-पठानकोट मार्ग
- किरतपुर-चंडीगढ़ मार्ग
- अंबाला-चंडीगढ़ मार्ग
- अंबाला-जालंधर मार्ग और लुधियाना-चंडीगढ़ मार्ग को जल्दी छः लेन वाला मार्ग बनाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

हमारी सरकार ने वाघा अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर यात्रियों और सामान के लिए पारगमन सुविधाएं विकसित करने का भी फैसला किया है। इसके अंतर्गत वाघा सीमा पर आव्रजन और कस्टम औपचारिकताओं को कम समय में पूरा करना शामिल है। वाघा पर कस्टम व्यवस्था को आधुनिक बनाया जाएगा और सुरक्षा जांच (सिक्यूरिटी क्लियरेंस) का काम भी तेजी से करने की व्यवस्था की जाएगी। आव्रजन, कस्टम और सुरक्षा जांच से संबंधित जो हाल हैं, हमारा विचार उन्हें बड़ा करने और काउंटरों की संख्या बढ़ाने का है तथा बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का है। जत्थों और शिष्टमंडलों के आगमन और प्रस्थान को और सुविधाजनक बनाया जाएगा। मवेशियों का निर्यात करने वालों के लिए एक पशु विसंक्रमण केन्द्र (एनिमल क्वारेनटाइन स्टेशन) बनाया जाएगा। अमृतसर-लाहौर बसों के लिए भी सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। वाघा सीमा चौकी पर बीटिंग रिट्रिट समारोह के लिए भी सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा।

पंजाब, भारत का अन्न भंडार क्षेत्र है। पंजाब का प्रत्येक किसान गरीबी और भूख के खिलाफ हमारी लड़ाई में गौरवशाली सिपाही है। आपके परिश्रम ने भारत के गौरव और समृद्धि को बढ़ाया है। आपके साहस और उद्यमशीलता ने हम सभी का सर ऊंचा किया है। पंजाब का बेटा होने के नाते मैं इस महान धरती के प्रत्येक बेटे और बेटी को सलाम करता हूं। मेरी कामना है कि आप दिनोंदिन उन्नति करें।

*******